an>

Title: Need to set-up an Akashvani Kendra at Azamgarh, Uttar Pradesh.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं उस ऐतिहासिक पल को याद करते हुए, जब नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने नवम्बर 1941 में रंगून से रेडियो के द्वारा भारतीयों को संबोधित कर स्वतंत्रता संग्राम को ताकत प्रदान करने का काम किया था, रेडियो के महत्व व इसकी पिछड़े व ग्रामीण क्षेत्रों में महत्व की बात रखना चाहती हूं। ...(व्यवधान)

आकाशवाणी गांवों में गरीब किसान, नौजवान, छात्र सभी को संचार व बाकी दुनिया से जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली, केबल कनेक्शन, इंटरनेट व परिवहन के अभाव में सुदूर इलाकों में देश दुनिया की खबरों, खेल, किसानों के लिए मौसम का हालत तथा संगीत का सबसे प्रभावी माध्यम रेडियो है। ...(व्यवधान)

मैं कहना चाहती हूं कि बहुपयोगी, सस्ता और सशक्त संचार का साधन होने के बाद भी पूर्वांचल का केन्द्र आजमगढ़ आज भी आकाशवाणी केन्द्र की सुविधा से वंचित है। ...(व्यवधान)

आजमगढ़ शिक्षा, साधना, संस्कृति और कला का सदैव से केन्द्र रहा है। यह पं. श्यामनारायण पाण्डेय, राहुल संस्कृत्यायन, शिबली नोमानी और अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध" की धरती है। पं. छन्नू लाल मिश्र का मशहूर घराना हरिहरपुर की धरती आजमगढ़ ही है। लेकिन शिक्षा और संचार के उचित और पर्याप्त माध्यम न होने से इस क्षेत्र मातृ की धरोहरों व इसकी प्रतिभा को विकसित होने का मौका नहीं मिला। क्षेत्र की जनता बाकी दुनिया तो दूर स्वयं के क्षेत्र की भी पूरी जानकारी नहीं ले पाती। ...(व्यवधान)

मैं अध्यक्ष जी के माध्यम से सदन में भारत सरकार से मांग करती हूं कि किसानों, छात्रों व ग्रामीण जनता के हित व क्षेत्र के सतत विकास के लिए आजमगढ़ में उच्च क्षमता का आकाशवाणी केन्द्र स्थापित किया जाए। अध्यक्ष जी, मैं विश्वास करती हूं कि जल्दी सुनने को मिलेगी कि "यह आकाशवाणी आजमगढ़ है" यह आजमगढ़ की जनता की "मन की बात है।"

â€¦(व्यवधान)